महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
कृषि पर्यवेक्षक/पोल्ट्री सहायक भर्ती परीक्षा – 2023

(अ) परीक्षा योजना

परीक्षा की योजना–कृषि पर्यवेक्षक पद की भर्ती हेतु एक लिखित परीक्षा आयोजित की जावेगी। बहुविकल्पीय प्रकार का एक वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र होगा। प्रश्न पत्र में पाठ्यक्रम के तीन भागों के प्रश्न होगें। प्रश्न पत्र का स्तर सीनियर सैकण्डरी स्तर का होगा। प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या 100 होगी तथा अधिकतम पूर्णांक 300 अंक होगा। सभी प्रश्न समान अंकों के होगें। इस प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होगी। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 अंक प्रदान किए जायेगें तथा प्रत्येक गलत उत्तर का 1 अंक काटा जाएगा। इस परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट तय की जावेगी। पाठ्यक्रम के प्रत्येक भाग से प्रश्नों की संख्या निम्न प्रकार होगी, किन्तु इनका क्रम में होना आवश्यक नहीं होगा।

प्रश्न पत्र का भाग	विषय का नाम	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समय
भाग–1	सामान्य हिन्दी	15	45	2 घंटे
भाग–2	राजस्थान का सामान्य ज्ञान, इतिहास एवं संस्कृति	25	75	
भाग–3	शस्य विज्ञान, उद्यानिकी एवं पशुपालन	60	180	
	कुल	100	300	

नोट :

1. प्रश्न–पत्र में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (objective) प्रकार के होंगे व सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे।
2. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 भाग ऋणात्मक अंकन (Negative Marking) किया जावेगा।
3. परीक्षा में न्यूनतम निर्धारित उत्तीर्णांक अंक 40 प्रतिशत है । इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यार्थी नियुक्ति के पात्र नहीं होगें।

(ब)कृषि पर्यवेक्षक/पोल्ट्री सहायक भर्ती हेतु पाठ्यक्रम

भाग–1 सामान्य हिन्दी **प्रश्नों की संख्या : 15**

पूर्णांक : 45

दिये गये शब्दों की सन्धि एवं शब्दों का संधि–विच्छेद, उपसर्ग एवं प्रत्यय–इनके संयोग से शब्द–संरचना तथा शब्दों से उपसर्ग एवं प्रत्यय को पृथक करना इनकी पहचान, समस्त (सामासिक) पद की रचना करना, समस्त (सामासिक) पद का विग्रह करना, शब्द युग्मों का अर्थ भेद, पर्यायवाची शब्द और विलोम शब्द, शब्द शुद्धि–दिये गये अशुद्ध शब्दों को शुद्ध लिखना, वाक्य शुद्धि –वर्तनी सम्बन्धि अशुद्धियों को छोड़कर वाक्य सम्बन्धि अन्य व्याकरणिक अशुद्धियों का शुद्धिकरण, वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त शब्द, पारिभाषिक शब्दावली–प्रशासन से सम्बन्धित अंग्रेजी शब्दों के समक्ष हिन्दी शब्द, मुहावरे–वाक्यों में केवल सार्थक प्रयोग अपेक्षित है, लोकोक्ति–वाक्यों में केवल सार्थक प्रयोग अपेक्षित है।

भाग–2 राजस्थान का सामान्य ज्ञान, इतिहास एवं संस्कृति

प्रश्नों की संख्या : 25
पूर्णांक : 75

1. राजस्थान के इतिहास के प्रमुख स्रोत।
2. राजस्थान की प्रमुख प्रागैतिहासिक उपलब्धियाँ।
3. राजस्थान के प्रमुख राजवंश एवं उनकी उपलब्धियाँ।
4. मुगल–राजपूत संबंध।
5. महत्वपूर्ण कला की प्रमुख विशेषताएँ।
6. महत्वपूर्ण किले, स्मारक एवं संरचनाएँ।
7. राजस्थान के धार्मिक आंदोलन एवं लोक देवी–देवताऐं।
8. राजस्थान की प्रमुख चित्रकलाएँ, शैलियाँ एवं हस्तशिल्प।
9. राजस्थानी भाषा एवं साहित्य की प्रमुख कृतियाँ, क्षेत्रीय बोलियाँ।
10. मेले, त्योहार, लोक संगीत, लोक नृत्य, वाद्ययंत्र एवं आभूषण।
11. राजस्थानी संस्कृति, परम्परा एवं विरासत।
12. महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पर्यटन स्थलं
13. राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।
14. राजस्थान की रियासतें एवं ब्रिटिश संधियाँ, 1857 का जन–आंदोलन।
15. कृषक एवं जनजाति आंदोलन, प्रजामंडल आंदोलन।
16. राजस्थान का एकीकरण।
17. राजस्थान का राजनीतिक जन–जागरण एवं विकास–महिलाओं के विशेष संदर्भ में।

भाग–3 सस्य विज्ञान, उद्यानिकी एवं पशुपालन प्रश्नों की संख्या : 60

पूर्णांक : 180

(अ) Agronomy सस्य विज्ञान

General knowledge about geographical situation, agriculture and its statistics in reference to Rajasthan. Importance and present status of Agriculture and Horticulture in the state. Major constraints in production of Agriculture and Horticulture crops. Agro climatic Zones, Soil fertility and productivity of Rajasthan. Saline, alkaline and acidic soils and its management.

Types of soils in Rajasthan, soil erosion and methods of conservation. Essential elements for plants-availability and sources. Terminology in Rajasthani language for traditional agronomic practices. Importance of organic manure, types and methods of preparation. Nitrogenous, phosphatic and potassic fertilisers. Single, mixed and compound fertilisers and method of applications.

Importance of irrigation in crop production, sources, crop based demand and factor affecting water requirement. Methods of irrigation particularly sprinklers, drip and rain gun etc. Requirement of irrigation, time and quantity. Importance and methods of drainage. Traditional irrigation terminology in reference to Rajasthan. Soil testing and reclamation of problematic soils. Preparation of silage and hay.

राजस्थान के संदर्भ में भौगोलिक स्थिति कृषि एवं सांख्यिकी का सामान्य ज्ञान । राज्य में कृषि एवं उद्यानिकी की वर्तमान स्थिति एवं महत्व। कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादन में मुख्य बाधाएँ। राजस्थान के जलवायुवीय खण्ड, मृदा उर्वरकता एवं उत्पादकता। लवणीय, क्षारीय एवं अम्लीय मृदाएँ एवं इनका प्रबन्धन।

राजस्थान में मृदाओं का प्रकार, मृदा क्षरण एवं मृदा संरक्षण के तरीके । पौधों के लिए आवश्यक पौषक तत्व उपलब्धता एवं स्रोत। राजस्थानी भाषा में परम्परागत शस्य कियाओं की शब्दावली। कार्बनिक खादों का महत्व, प्रकार एवं बनाने की विधियां । नत्रजन, फास्फोरस, पोटेशियम उर्वरक, एकल, मिश्रित एवं योगिक उर्वरक एवं उनके प्रयोग की विधियां। फसलोत्पादन में सिचाई का महत्व, स्रोत, फसल आधारित जल माँग एवं इसकों प्रभावित करने वाले कारक। सिचाई की विधियां–विशेषतः फव्वारा, बूंद बूंद रेनगन आदि। सिंचाई की आवश्यकता समय एवं मात्रा। जल निकास एवं इसका महत्व, जल निकास की विधियां। राजस्थान के संदर्भ में परम्परागत–सिंचाई से संबंधित शब्दावली। मृदा परीक्षण एवं समस्याग्रस्त मृदाओं का सुधार। साईलेज व हे बनाना।

Weed – Special features, classification, harmful effects of weeds. Methods of weed control. Uses of herbicides in major crops of Rajasthan. Terminology of weeds in Rajasthani language.

खरपतवार–विशेषताएं वर्गीकरण, खरपतवारों से नुकसान, खरपतवार नियंत्रण की विधियां, राजस्थान की मुख्य फसलों में खरपतवारनाशी रसायनों से खरपतवार नियंत्रण। खरपतवारों की राजस्थानी भाषा में शब्दावली।

Knowledge of climate, soil, field preparation, varieties, seed treatment, seed rate, sowing time, manures and fertilisers, irrigation, intercropping, plant protection, harvesting, processing, storage and crop rotation for following crops :

Grain Crops - Maize, Sorghum, Pearlmillet, Rice, Wheat and Barley.

Pulses - Moong, cowpea, Lentil, Urd, Moth, Gram and Pea.

Oilseeds - Groundnut, Til, Soybean, Mustard, Linseed, Castor, Sunflower and Taramira.

Fibre - Cotton.

Fodder – Berseem, Lucerne and Oat.

Seed Spices - Fennel, Methi, Cumin and Coriander.

Cash Crops - Guar and Sugar cane.

निम्न मुख्य फसलों के लिए जलवायु, मृदा, खेत की तैयारी, किस्में, बीज उपचार, बीज दर, बुवाई समय, खाद व उर्वरक, सिंचाई, अन्तरशस्य पौध संरक्षण, कटाई, प्रसंस्करण भण्ड़ारण एवं फसल चक्र की जानकारी।

अनाज वाली फसलें–मक्का, ज्वार, बाजरा, धान, गेहूं एवं जौ।

दालें–मूंग, चवला, मसूर, उड़द, मोठ, चना एवं मटर।

तिलहनी फसलें–मूंगफली, तिल, सोयाबीन, सरसों, अलसी, अरण्डी, सूरजमूखी एवं तारामीरा।

रैशेदार फसलें–कपास।

चारे वाली फसलें–बरसीम, रिजका एवं जई।

मसालें वाली फसलें–सौंफ, मैथी, जीरा एवं धनियां।

नकदी फसलें–ग्वार एवं गन्ना।

Qualities of a good seed, Seed germination and factor affecting. Seed classification- Nucleus, breeder seed, foundation and certified seeds.

उत्तम बीज के गुण, बीज अंकुरण एवं इसको प्रभावित करने वाले कारक, बीज वर्गीकरण, केन्द्रक बीज, प्रजनक बीज, आधार बीज एवं प्रमाणित बीज।

Dry land agriculture- Importance and techniques. Mixed cropping, types and importance. Crop rotation- Importance and principles. Important schemes of department of Agriculture in relation to Rajasthan. Storage of grains and seed.

शुष्क खेती–महत्व, शुष्क खेती की तकनीकी। मिश्रित फसल, इसके प्रकार एवं महत्व। फसल चक्र–महत्व एव सिद्धान्त। राजस्थान के संदर्भ में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी। अनाज एवं बीज का भण्डारण।

(ब) Horticulture उद्यानिकी

Importance, present status and future scope of horticultural fruits and vegetables. Nursery management in fruit crops. Lay out of orchards. Adverse climatic conditions like frost, heat stroke and unfruitfulness and their remedies. Use of various PGRs in orchards. Nursery management and various methods of vegetable production.

उद्यानिकी फलों एवं सब्जियों का महत्व, वर्तमान स्थिति एवं भविष्य। फलदार पौधों से नर्सरी प्रबन्धन। उद्यान लगाने की विभिन्न रेखांकन विधियां। पाला, लू एवं अफलन जैसी मौसम की विपरीत परिस्थितियां एवं इनका समाधान। फलोद्यान में विभिन्न पादप वृद्धि नियंत्रकों का प्रयोग। सब्जी उत्पादन की विधियां एवं सब्जी उत्पोदन से नर्सरी प्रबन्धन।

Climate, soil, improved varieties, propagation methods, manures and fertilizers, Irrigation, harvesting, yield, important pests and diseases and control for the following horticultural crops in reference to Rajasthan:

निम्न उद्यानिकी फसलों के लिए जलवायु, मृदा, उन्नत किस्में, प्रवर्धन विधियाँ, खाद व उर्वरक, सिंचाई, तुड़ाई, उपज, प्रमुख कीट एवं व्याधियाँ एवं इनका नियंत्रण।

Mango, Citrus, Guava, Pomegranate, Papaya, Ber, Date palm, Aonla, Grapes, Lahsua, Bael. Tomato, Onion, Cauliflower, Cabbage, Okra, Cucurbits, Brinjal, Chilli, Garlic, Pea, Carrot, Radish, Spinach etc.

आम, नीबूवर्गीय फल, अमरूद, अनार, पपीता, बेर, खजूर, आँवला, अंगूर, लहसूवा, बील, टमाटर, प्याज, फूलगोभी, पत्तागोभी, भिण्डी, कद्दूवर्गीय सब्जियाँ, बैंगन, मिर्च, लहसुन, मटर, गाजर, मूली, पालक आदि।

Importance, present status and scope of preservation. Principles and methods of preservation. Canning and techniques of drying and dehydration and their traditional methods in Rajasthan. Methods of preparation of Jam, Jelly, Candy, Sherbet, Squash etc

फल एवं सब्जी परिरक्षण का महत्व, वर्तमान स्थिति एवं भविष्य। फल परिरक्षण के सिद्धान्त एवं विधियाँ। डिब्बा बंदी, सुखाना एवं निर्जलीकरण की तकनीकें व राजस्थान में इनकी परम्परागत विधियां। । फलपाक (जैम), अवलेह (जेली), केण्डी, शर्बत, पानक (स्कवेश) आदि को बनाने की विधियाँ।

General knowledge of cultivation of medicinal plants and flowers in reference to Rajasthan. Various schemes of horticulture department with special reference to Rajasthan

औषधीय पौधे व फूलों की खेती का राजस्थान के संदर्भ में सामान्य ज्ञान। राजस्थान के संदर्भ में उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाएँ।

(स) Animal Husbandry पशुपालन

Importance of Animal Husbandry in Agriculture. Importance of animals in milk production and their management.

पशुपालन का कृषि में महत्व। पशुधन का दूध उत्पादन में महत्व एवं इनका प्रबन्धन।

General knowledge for characteristics, utility and origin place of following species :

Cow - Gir, Tharparkar, Nagori, Rathi, Jersey, Holstein friesian, Malavi, Haryana, Mewati.

Buffallow- Murraha, Surti, Nala, Ravi, Bhadawari, Jafarvadi, Mehsana.

Goat- Jamunapari, Barbari, Betal, Togenburg.

Sheep- Marvari, Chokla, Malpura, Marino, Karkul, Jaisalmeri, Avivastra, Avikalin

Camel Management, age estimation of animals

निम्न प्रजातियों की विशेषताएँ, उपयोगिता एवं उत्पत्ति स्थान का सामान्य ज्ञान–

गाय – गीर, थारपारकर, नागौरी, राठी, जर्सी, होल्स्टीन फ्रिसियन, मालवी, हरियाणा, मेवाती।

भैंस – मुर्रा, सूरती, नाला, रावी, भदावरी, जाफरवादी, मेहसाना।

बकरी – जमनापारी, बारबरी, बीटल, टोगनर्बक।

भेड़ – मारवाड़ी, चोकला, मालपुरा, मेरीनो, कराकुल, जैसलमेरी, अविवस्त्रा, अविकालीन।

ऊंट प्रबन्धन, पशुओं की आयु गणना।

Types of Animal medicine, uses, doses and methods of application.

Germicide - Phenyl, Carbonic acid, Potassium permagnate, Lysol

Luxative - Magnesium sulphate, castor oil,

Stimulator- Alcohal, Camphor

Wormicide - Copper Sulphate, Phinovis

Massage oil - Turpentine oil.

सामान्य पशु औषधियों के प्रकार, उपयोग, मात्रा एवं दवाईयाँ देने का तरीका।

कीटाणुनाशी – फिनाईल, कार्बोनिक एसिड, पोटेशियम परमेगनेट (लाल दवा) लाईसोल।

विरेचक – मैग्नेशियम सल्फेट (मैकसल्फ), अरण्डी का तेल।

उत्तेजक – एल्कोहल, कपूर।

कृमिनाशक – नीला थोथा, फिनोविस।

मर्दन तेल – तारपीन का तेल।

Major diseases of animals in Rajasthan - Factors, symptoms and treatments

Animal - Plague, Foot and Mouth disease, Black Quarter, Anthracnose, Heamorrhagic septicaemia, Mastitis, Milk fever, Ranikhet, Chicken pox and Coccidiosis.

राजस्थान के पशुओं की मुख्य बीमारियों के कारक, लक्षण तथा उपचार, पशु–प्लेग, खुरपका–मुहपका, लगड़ी, एन्थ्रेक्स, गलघोटूं, थनेला रोग, दुग्ध बुखार, रानीखेत, चेचक, खुनी पेचिस।

Milk production, composition of milk and colostrum, Clean milk production, milk preservation and quality. Estimation of fat, specific gravity and acidity in milk, cream separators and requirements of machineries. Methods of preparation of curd, ghee and paneer. Cleaning and sterilization of utensils in dairy. Terminology of animal husbandry activities in relation to Rajasthan

दुग्ध उत्पादन, दुग्ध एवं खीस सघटन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, दुग्ध परिरक्षण, दुग्ध परीक्षण एवं गुणवत्ता। दुग्ध में वसा, आपेक्षिक घनत्व एवं अम्लता की जांच, क्रीम पृथक्करण एवं यंत्रों की आवश्यकता। दही, पनीर एवं घी बनाने की विधि। दुग्धशाला में बर्तनों की सफाई एवं जीवाणु रहित करना। राजस्थान के संबंध में पशुपालन कियाओं एवं गतिविधियों से संबंधित शब्दावली।